imma™

Economic Times (Hindi)

Auto Sector

Date: 15-12-2009 | Edition: Delhi | Page: 11 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 18 H: 15

ऑटो क्षेत्र के धक्के से बढ़ा लॉजिस्टिक्स का धंधा

निर्भय कुमार
नई दिल्ली

पिछले कुछ दिनों में कार और कमर्शियल वाहनों की बिक्री में अच्छी बढ़त देखने को मिली है, जिससे लॉजिस्टिक कंपनियों का कारोबार भी बढ़ा है। ऑटो कंपनियों की कार ढुलाई की मांग पूरी करने के लिए लॉजिस्टिक क्षेत्र की बड़ी कंपनियां अपने बेड़े का आकार बढ़ा रही हैं। आर्थिक मंदी का असर खत्म करने के लिए सरकार की ओर से दिए गए राहत पैकेज के दम से वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी तेजी आई है, जिसका लाभ लॉजिस्टिक कंपनियां उठा रही हैं। ट्रांसपोर्टरों की खरीद से वाणिज्यिक वाहनों के सेगमेंट में अच्छी तेजी आई है, जिससे टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसी कंपनियों का कारोबार बढ़ा है। पिछले कुछ महीनों में ट्रांसपोर्टरों ने अपनी क्षमता में विस्तार किया था लेकिन, उस वक्त यह सिर्फ हल्के वाणिज्यिक वाहनों के सेगमेंट में हुआ था।

ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (टीसीआई) के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर विनीत अग्रवाल ने कहा, 'कार की बिक्री दोबारा बढ़ने के बाद हेवी-ड्यूटी ट्रकों की कमी महसूस होने लगी। हमने अगले कुछ महीनों में 16 करोड़ रुपए की लागत से अपने बेड़े में कार कैरियर बढ़ाने की योजना बनाई है।' इस साल नवंबर में घरेलू बाजार में कार की बिक्री 61 फीसदी बढ़कर 1,33,687 यूनिट हो गई जबकि पिछले साल इसी महीने में यह सिर्फ 83,121 थी। कार की बिक्री बढ़ने के साथ ही बड़े कमर्शियल वाहनों की बिक्री 4 गुना बढ़कर 1,076 हो गई है।

ऑटो सेक्टर वैश्विक मंदी से बाहर निकल आया है और पिछले छह महीनों में इसमें दहाई अंकों में वृद्धि दर दर्ज की गई है। भारतीय कार और दोपहिया वाहन कंपनियां इस समय जोरदार बिक्री से उत्साहित हैं। नवंबर में लगातार आठवें महीने उनकी बिक्री ने रफ्तार दिखाई है। इससे उत्साहित होकर निसॉन, फोक्सवैगन सहित तमाम वैश्विक ऑटो दिग्गज भारत में कारों के मॉडल लॉन्च करने की योजनाएं बना रहे हैं। पश्चिमी देशों में जहां उपभोक्ता अब भी आर्थिक मंदी के असर से निकल नहीं पाए हैं, वहीं भारत में लोग महंगे कार मॉडलों की खरीद को लालायित दिख रहे हैं। इससे कार कंपनियों की रणनीति को धार मिल रही है।

दिल्ली की लॉजिस्टिक कंपनी डीआरएस ग्रुप फरवरी तक अपने हाई वैल्यू ट्रकों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहा है। हाई वैल्यू ट्रकों में 20 लाख रुपए से ज्यादा महंगी चीजों की ढुलाई की जाती है। कंपनी की योजना अपने बेड़े में 30-32 नए ट्रक जोड़ने की है। डीआरएस ग्रुप ऑफ कंपनीज के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रमेश अग्रवाल ने कहा, 'हम लोग फिलहाल थर्ड पार्टी से लो-वैल्यू ट्रक ले रहे हैं और उसे अपने हाई वैल्यू बेड़े में शामिल कर रहे हैं।' घरेलू ऑटो सेक्टर आगे भी कारों की बिक्री में तेजी की उम्मीद बनाए हुए हैं। फिलहाल फोक्सवैगन एजी और जनरल मोटर्स सहित कई दूसरी कंपनियां अगले साल भारत में छोटी कारें लॉन्च करने वाली हैं। कार बाजार में उत्साह की लहरें हैं क्योंकि नए वाहनों की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। मारुति सुजुकी के एक अधिकारी ने कहा, 'रिट्ज और स्विफ्ट सहित हमारी अधिकतर कारों के लिए लोग प्रतीक्षा सूची में कतार लगाए हुए हैं।' यह जापानी कंपनी भारतीय कार बाजार में हर दूसरा वाहन बेचती है।

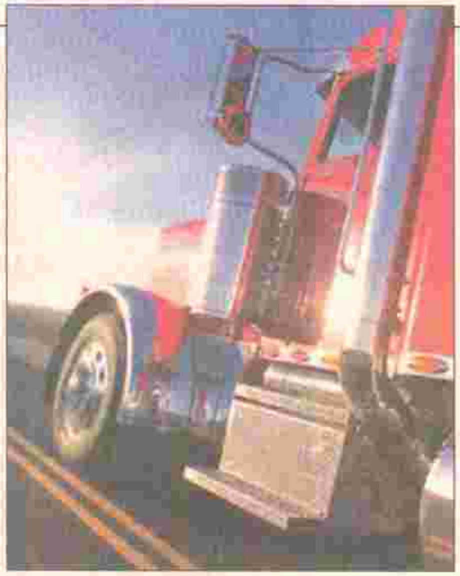

बढ़ रहा है कारोबार

- **लॉजिस्टिक कंपनियों** का कारोबार बढ़ रहा है। ऑटो कंपनियों की कार ढुलाई की मांग पूरी करने के लिए लॉजिस्टिक क्षेत्र की बड़ी कंपनियां अपने बेड़े का आकार बढ़ा रही हैं
- **सरकार की** ओर से दिए गए राहत पैकेज के दम से वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी तेजी आई है, जिसका लाभ लॉजिस्टिक कंपनियां उठा रही हैं
- **ट्रांसपोर्टरों की** खरीद से वाणिज्यिक वाहनों के सेगमेंट में अच्छी तेजी आई है, जिससे टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड का कारोबार बढ़ा है
- **दिल्ली की** लॉजिस्टिक कंपनी डीआरएस ग्रुप फरवरी तक अपने हाई वैल्यू ट्रकों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहा है